NBT PAGE 3

एलयू में वैक्सीन बनाने का तरीका सीखेंगे छात्र

एलयू के भैषजिक विज्ञान संस्थान ने साइंटिफिक एडवाइजरी बोर्ड का किया गठन

शोधार्थी, विद्यार्थी और शिक्षक नैनोटेक्नॉलजी से बनने वाली दवाओं, अहम शोध, फॉर्म्युलेशन व ड्रग डिलिवरी की बारीकियां सीख सकेंगे

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ यूनिवर्सिटी के शोधार्थी, विद्यार्थी और शिक्षक अब कोविड-19 से जुड़ी नई वैक्सीन बनाने का तरीका सीखेंगे। नैनोटेक्नॉलजी से बनने वाली दवाओं के बारे में जानेंगे। साथ ही, उच्च स्तरीय वैज्ञानिक शिक्षा, अहम शोध, फॉर्म्युलेशन और ड्रग डिलिवरी का विश्वस्तरीय ज्ञान भी हासिल कर सकेंगे। इसके लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी के भैषजिक विज्ञान संस्थान ने मंगलवार को साइंटिफिक एडवाइजरी वोर्ड का गठन किया है।

एलयू कुलपति प्रो.एके राय के मुताबिक, एडवाइजरी वोर्ड के गठन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उच्च स्तर के 10 प्रतिष्ठित एकडमिशन, रिसर्चर व फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रियलिस्ट शामिल किए गए हैं। ये सभी अणु को जीव विज्ञान से जोड़ते हुए भविष्य की दवाएं खोजने का तरीका भी सिखाएंगे। वोर्ड का मकसद एलयू के शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की शैक्षणिक और शोध से रूबरू करवाना है। उन्होंने बताया कि डॉ. संजय सिंह (सीईओ, जिनोवा वॉयोफार्मास्यूटिकल, इंडिया), जिन्होंने भारत की पहली आरएनए आधारित कोरोना वैक्सीन (जीईएमसीओवीएसी-19) को डेवलप किया है, वो एलयू के छात्र-छात्राओं को कोरोना वैरिएंट से जुड़ी वैक्सीन तैयार करने के वारे में सिखाएंगे। पद्मश्री व सीडीआरआई के पूर्व निदेशक डॉ. नित्यानंद एलयू के विद्यार्थियों और शिक्षकों को उच्च स्तरीय वैज्ञानिक शिक्षा और अहम शोध के वारे वताएंगे। यूनिवर्सिटी सागर इंडिया के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. नरेंद्र कुमार जैन फॉर्म्युलेशन व ड्रग डिलिवरी का विश्वस्तरीय ज्ञान देंगे। प्रो. पीके सेठ (फाउंडर, वॉयोटेक्नोलॉजी पार्क) वॉयोटेक्नॉलजी से जुड़ी सभी जानकारी देंगे। सीडीआरआई के पूर्व निदेशक डॉ. वीपी कम्वोज भी मदद करेंगे।

तो एलयू को बेहतर ग्रेड दिलवा सकती है साइंस फैकल्टी

नैक के लिए कितनी तैयारी?

19वीं शताब्दी के 92 जर्नल की मौजूद हैं 2500 प्रतियां

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ यूनिवर्सिटी के भौतिकी और रसायन विज्ञान विभाग में 18वीं शताब्दी के विज्ञान से जुड़े अहम जर्नल, दुर्लभ म्यूजियम और सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाएं नैक से वेहतर ग्रेड दिलाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। यह दावा किया है एलयू की साइंस फैकेल्टी के जिम्मेदारों ने।

एलयू में 21 से 23 जुलाई तक पुनर्मूल्यांकन के लिए नैक टीम आ रही है। ऐसे में विज्ञान संकाय के वरिष्ठ शिक्षकों ने यहां की खूवियों के वारे में जानकारी दी। पिछले दिनों एलयू प्रशासन ने यहां का दौरा कर समीक्षा की थी।

1833 से 1914 तक जर्मन के जर्नल भी हैं यहां

रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो. अनिल मिश्रा वताते हैं कि उनके यहां सन् 1833 से 1914 तक जर्मन जर्नल का समृद्ध संग्रह है। ये जर्नल न सिर्फ ऐतिहासिक अहमियत रखते हैं, वल्कि 18वीं और 19वीं शताब्दी दोनों में विज्ञान की महत्त्वपूर्ण प्रगति को समाहित करते हैं। रसायन विज्ञान की परिपक्वता की अवधि रही है, जिसने आधुनिक रसायन विज्ञान की नींव स्थापित की। उन्होंने वताया, अभी इसे नवाचार के अलावा सैनिटाइजर, शोध कार्य, उच्च तकनीक प्रयोगशालाएं के तौर पर जाना जाता है। इन दुर्लभ और वेहद महत्त्वपूर्ण संग्रह को दुनियाभर के वैज्ञानिक और शोधार्थियों ने खूब सराहा है।

भौतिक विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एनके पाण्डेय ने बताया, हमारे पास एस्ट्रोफिजिकल, साइंस एब्सट्रैक्ट-बी जैसे अहम जर्नल का जखीरा है। ये जर्नल इसलिए अहमियत रखते हैं, क्योंकि न्यूटन की स्थापित यांत्रिकी के जरिये 18वीं शताब्दी में वैज्ञानिकों ने इन्हें विकसित किया था। ज्यादातर गणितज्ञों ने न्यूटन की थ्योरी से कैलकुलस सीखा था, जो जर्नल के तौर पर हम सहेजे हुए हैं। भौतिकी विभाग में 19 हाईटेक प्रयोगशालाएं और समृद्ध पुस्तकालय है, जिसमें 19वीं शताब्दी की 92 जर्नल की 2500 प्रतियां मौजूद हैं।

> **"रसायन शास्त्र, भौतिक विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान विभाग और भूविज्ञान के म्यूजियम व प्रयोगशालाएं बेहद सुसज्जित हैं। यहां के शोध कार्य की प्रस्तुतियां और संग्रहालय को देखकर हम सभी खुश हैं।**
> *-दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, एलयू*

HIDUSTAN PAGE 6

शिक्षा-शोध को दुनिया तक पहुंचाएगा साइंटिफिक बोर्ड

एलयू

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं शोध को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने के लिए साइंटिफिक एडवाइजरी बोर्ड का गठन हो गया है। इस बोर्ड को मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने हरी झण्डी दे दी। इस बोर्ड में सीएसआईआर-सीडीआरआई के पूर्व निदेशक डा. नित्यानंद समेत दस प्रतिष्ठित विद्वान, शोधकर्ता और फार्मास्यूटिकल उद्योपति शामिल हैं।

बोर्ड के गठन के बाद विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों को विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धी फार्मास्युटिकल शिक्षा मिलेगी। प्रो. नरेंद्र कुमार जैन जैसे विशेषज्ञ फार्मुलेशन एवं ड्रग डिलीवरी की जानकारी देंगे। बायो टेक्नोलॉजी का ज्ञान भी मिलेगा। इससे विद्यार्थियों का वैज्ञानिक कौशल बढ़ेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के आईपीएस निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि सलाहकार बोर्ड के सदस्य वैश्विक रैंक के हैं। इनके बोर्ड में शामिल होने से संस्थान का गौरव बढ़ेगा। विद्यार्थियों और शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी।

बोर्ड के गठन का उद्देश्य:
साइंटिफिक एडवाइजरी बोर्ड के कई उद्देश्य हैं। मसलन विद्यार्थियों के लिए विश्वप्रतिस्पर्धी फार्मास्युटिकल शिक्षा को सशक्त बनाना, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के फार्मास्युटिकल कौशल को बढ़ाना, वैज्ञानिक कौशल को बढ़ाना, विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर इंटर्नशिप, प्रशिक्षण और नौकरी देना बोर्ड के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है।

बोर्ड में शामिल विशेषज्ञ

- डॉ. नित्यानंद, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीडीआरआई
- प्रो. नरेंद्र कुमार जैन, पूर्व मुखिया, डॉ. एचएस गौर विवि
- प्रो. पीके सेठ, संस्थापक, बायोटेक्नोलॉजी पार्क लखनऊ
- डॉ. वीपी कम्बोज, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीडीआरआई
- डॉ. अजय कुमार सिंह, सीईओ, बायोटेक्नोलॉजी पार्क
- डॉ. जीएन सिंह, विशेषज्ञ सलाहकार, डब्ल्यूएओ
- प्रो. अंटोनी डी इमैनुएल, टी. मांटफोर्ट यूनिवर्सिटी इंग्लैण्ड
- डॉ. संजय सिंह, सीईओ, जिनोवा बायोफार्मास्युटिकल इण्डिया, भारत की पहली आरएनए आधारित कोरोना वैक्सीन विकसित करने वाला संस्थान
- डॉ. अजय, आरएंडडी उपाध्यक्ष, सन फार्मास्युटिकल गुजरात
- प्रो. आलोक धवन, निदेशक, सीबीएमआर लखनऊ

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीएससी-बीकॉम चौथे सेमेस्टर की परीक्षा 18 से

लविवि ने जारी किया सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। नए सत्र 2022-23 में लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त कॉलेज खुलने के बाद इवेन सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इसमें बीएससी-बीकॉम चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं क्रमशः 18 व 19 जुलाई से और छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं क्रमशः 18 व 19 जुलाई से शुरू होंगी।

विवि प्रशासन की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार बीएससी चौथे सेमेस्टर (बीए चौथे सेमेस्टर स्टेटिस्टिक्स, मैथ्स, एंथ्रोपोलॉजी) की परीक्षाएं 18 जुलाई से 10 अगस्त तक दोपहर 02 से 03.30 बजे तक होंगी। बीएससी छठे सेमेस्टर (बीए चौथे सेमेस्टर स्टेटिस्टिक्स, मैथ्स, एंथ्रोपोलॉजी) की परीक्षाएं 19 जुलाई से 17 अगस्त तक सुबह 09 से 10.30 बजे तक होंगी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि बीकॉम चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 19 जुलाई से 04 अगस्त तक दोपहर 02 से 3.30 बजे तक और बीकॉम छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 जुलाई से 03 अगस्त तक सुबह 09 से 10.30 बजे तक होंगी। परीक्षाएं एमसीक्यू पैटर्न पर होंगी। विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

14 तक भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म

लविवि में परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी होने के साथ ही विवि प्रशासन ने परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 14 जुलाई तक बढ़ा दी है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के अनुसार बीए, बीएससी दूसरे, चौथे, छठे व पीजी, मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा, बीएससी, एमएससी एग्रीकल्चर, बीएड, एमएड आदि कोर्सों के ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 14 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। लविवि के छात्रों को इसके लिए कोई अलग से शुल्क नहीं देना है, जबकि कॉलेज के छात्र अपने यहां शुल्क जमा करेंगे।

राजधानी में 61 केंद्रों पर बीएड प्रवेश परीक्षा आज

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों व कॉलेजों के लिए संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन बुधवार को किया जा रहा है। राजधानी में 61 केंद्रों पर लगभग 30 हजार विद्यार्थी परीक्षा देंगे। इसे लेकर मंगलवार को देर शाम तक व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाती रहीं।

दो पालियों की परीक्षा में 30 हजार अभ्यर्थी होंगे शामिल

लविवि व पुनर्वास विवि में स्थगित रहेगा शैक्षणिक कार्य

परीक्षा दो पालियों में सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होगी। इसके लिए केंद्र पर एक घंटे पहले से प्रवेश दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र की दो कॉपी लानी होगी। साथ ही एक फोटो और फोटो परिचय पत्र भी लाना होगा। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग भी होगी। लखनऊ के नोडल समन्वयक प्रो. आरबी सिंह मून ने कहा कि विद्यार्थी प्रवेश पत्र में दिए गए निर्देश के अनुसार आवश्यक दस्तावेज के साथ उपस्थित हों। छात्र बिल्कुल आखिरी समय पर केंद्र न पहुंचें। परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे बाद किसी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। वहीं परीक्षा केंद्र बनने व परीक्षा को देखते हुए लविवि व डॉ. शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विवि ने अपने यहां बुधवार को शैक्षणिक कार्य भी स्थगित रखा है। लविवि के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने आदेश जारी कर कहा है कि विश्वविद्यालय के दोनों कैंपस में बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा केंद्र बने हैं। इसे देखते हुए दोनों कैंपस में शैक्षणिक कार्य स्थगित रहेगा।

प्रवेशपत्र डाउनलोड करने में अभ्यर्थियों को आई समस्या

बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में छात्रों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कुछ विद्यार्थी सोमवार से प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन तकनीकी दिक्कत आ रही थी। हालांकि, जिला समन्वयक प्रो. आरबी सिंह मून ने कहा कि इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है।

लविवि : विश्व स्तरीय शोध के लिए तैयार होंगे छात्र

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान के साइंटिफिक एडवाइजरी बोर्ड का मंगलवार को गठन किया गया। इसमें राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर के 10 प्रतिष्ठित शैक्षिक विशेषज्ञ, शोधकर्ता, फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रियलिस्ट शामिल हैं। इस एडवाइजरी बोर्ड के गठन का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों, विद्यार्थियों को विश्व स्तरीय शोध के लिए तैयार करना है।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इसमें पद्मश्री व पूर्व निदेशक सीडीआरआई डॉ. नित्यानंद, प्रो. आलोक धवन निदेशक सीबीएमआर, प्रो. नरेंद्र कुमार जैन पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एचएस गौर यूनिवर्सिटी सागर, प्रो. पीके सेठ निदेशक बायो टेक्नोलॉजी पार्क, डॉ. वीपी कंबोज पूर्व निदेशक सीडीआरआई, डॉ. अजय कुमार सिंह सीईओ बायो टेक्नोलॉजी पार्क, डॉ. जीएन सिंह पूर्व डीसीजीआई, प्रो. अंटोनी डी इमैनुएल मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी यूके, डॉ. संजय सिंह सीईओ जिनोवा बायो फार्मास्यूटिकल, डॉ. अजय जी खोपड़े वाइस प्रेसीडेंट आरएंडडी सन फार्मास्यूटिकल इंडिया आदिर शामिल हैं।

विवि के फार्मेसी संस्थान के एडवाइजरी बोर्ड का हुआ गठन

निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि ये विशेषज्ञ छात्रों व शिक्षकों को फार्मूलेशन व ड्रग डिलीवरी, बायो टेक्नोलॉजी, अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध, नोवेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम से जुड़ी तकनीकी सीखने में सहयोग करेंगे। इसके साथ ही नई वैक्सीन विकसित करने, छात्रों के कौशल विकास, नैनो टेक्नोलॉजी विधि के सहयोग से बनने वाली दवाओं, छोटे अणु को जीवविज्ञान से जोड़कर भविष्य की दवाएं खोजने का काम सीखने में भी सहयोग करेंगे।

एलयू की परीक्षाएं 18 जुलाई से होंगी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने बीकॉम, बीएससी, बीए की सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। ये परीक्षाएं 18 जुलाई से दो पाली में शुरू हो रही हैं। बीकॉम चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं द्वितीय पाली में 19 जुलाई से और सेमेस्टर 6 की परीक्षाएं 18 जुलाई से होंगी। बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर और बीए की परीक्षाएं 18 जुलाई से होंगी। इन्हीं विषयों के छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 19 जुलाई से होंगी। बीए चतुर्थ और छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 जुलाई से होंगी।

एलयू एवं सहयुक्त महाविद्यालय ने परीक्षा फार्म भरने की तारीख तय कर दी है। विद्यार्थी 14 जुलाई तक ऑनलाइन परीक्षा फार्म भर सकते हैं।

HIDUSTAN PAGE 6

बीएड प्रवेश परीक्षा कड़ी सुरक्षा में आज

तैयारी पूरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा के संयोजक प्रो. आरबी सिंह और प्रो. राकेश द्विवेदी ने मंगलवार की दोपहर तैयारियों को लेकर अंतिम बैठक की। शाम को भी अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई। प्रवेश परीक्षा बुधवार को लखनऊ के 61, सीतापुर एवं रायबरेली के 18-18, हरदोई और लखीमपुर के 13-13 केंद्रों पर दो पाली में होगी।

लखनऊ में करीब 29646 परीक्षार्थी

: बीएड परीक्षा के लिए लखनऊ में 61, सीतापुर और रायबरेली में 18-18, हरदोई और लखीमपुर में 13-13 केंद्र बनाए गए हैं। लखनऊ में 29646 परीक्षार्थी शामिल होंगे। लखनऊ जिले में कुल 50 हजार के आसपास परीक्षार्थी हैं। परीक्षा दो पाली में होगी।

जानकारी के लिए बता दें कि पहली सुबह 9 से 12 और दूसरी दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक होगी।

सिर्फ प्रवेश पत्र और पेन ले जाने की अनुमति होगी

परीक्षा केंद्र में परीक्षार्थियों को सिर्फ प्रवेश पत्र डाउनलोड करके उसकी दो कॉपी लानी होंगी। काला पेन भी लाना होगा। अन्य कोई सामान परीक्षार्थी घर से न लाएं। यदि लाएं तो परीक्षा केंद्र के बाहर उसे रखने का इंतजाम खुद करना होगा।

परीक्षार्थी ध्यान रखें

- केंद्र पर एक घंटा पहले पहुंचना है
- परीक्षा के 30 मिनट पहले केंद्र का फाटक बंद हो जाएगा
- बायोमैट्रिक उपस्थित दर्ज होगी
- फेशियल रीडिंग ली जाएगी
- सेनेटाइजेशन किट दी जाएगी। इसमें मास्क, सेनेटाइजर होगा। परीक्षार्थी जो मास्क पहनकर आएंगे वह उतरवा दिया जाएगा।

नैक के लिए द्वितीय परिसर में मॉकड्रिल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नैक का ग्रेड-ए हासिल करने की जोरदार कवायद मंगलवार को भी जारी रही। विशेषज्ञों की टीम ने द्वितीय परिसर का दौरा किया। विशेषज्ञों की टीम में एनएएसी के पूर्व निदेशक प्रोफेसर एएन राय, प्रोफेसर रमेश शर्मा एवं डॉ रमा कोंडपल्ली शामिल हैं। टीम ने द्वितीय परिसर में मौजूद विभिन्न केंद्र, संकायों एवं छात्रावासों का निरीक्षण किया।

i-NEXT PAGE 2, 3 & 4

साइंटिफिक एडवाइजरी बोर्ड का किया गठन

नेशनल व इंटरनेशनल लेवल के 10 लोगों को इस बोर्ड में किया गया शामिल

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (5 July): लखनऊ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और स्टूडेंट्स के शैक्षिक व रिसर्च को वर्ल्ड क्लास पहचान दिलाने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ साइंटिफिक एडवाइजरी बोर्ड का गठन हो गया है. इस बोर्ड को मंगलवार को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने हरी झंडी दे दी. इसमें सीएसआईआर-सीडीआरआई के पूर्व निदेशक डॉ. नित्यानंद समेत 10 प्रतिष्ठित विद्वान, शोधकर्ता और फार्मास्यूटिकल उद्योपति शामिल हैं. बोर्ड के गठन के बाद यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स और शिक्षकों को विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धी फार्मास्युटिकल शिक्षा मिलेगी. प्रो. नरेंद्र कुमार जैन जैसे विशेषज्ञ फार्मुलेशन एवं ड्रग डिलीवरी की जानकारी देंगे. बायो टेक्नोलॉजी का ज्ञान भी मिलेगा. इससे स्टूडेंट्स का वैज्ञानिक कौशल बढ़ेगा. लखनऊ यूनिवर्सिटी के आईपीएस निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि सलाहकार बोर्ड के सदस्य वैश्विक रैंक के हैं. इनके बोर्ड में शामिल होने से संस्थान का गौरव बढ़ेगा. स्टूडेंट्स और शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी.

ये विशेषज्ञ हैं बोर्ड में शामिल

- फ्रश्री डॉ. नित्यानंद, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीडीआरआई
- प्रो. नरेंद्र कुमार जैन, पूर्व वीसी एवं शिक्षाविद, डॉ. एचएस गौर यूनिवर्सिटी
- प्रो. पीके सेठ, संस्थापक, बायोटेक्नोलॉजी पार्क लखनऊ
- डॉ. वीपी कम्बोज, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीडीआरआई
- डॉ. अजय कुमार सिंह, सीईओए बायोटेक्नोलॉजी पार्क
- डॉ. जीएन सिंह, विशेषज्ञ सलाहकार, डब्ल्यूएओ
- प्रो. अंटोनी डी इमैनुएल, टी. मांटफोर्ट यूनिवर्सिटी इंग्लैंड
- डॉ. संजय सिंह, सीईओए जिनोवा बायोफार्मास्युटिकल इण्डिया
- डॉ. अजय खोपड़े, आरएडडी उपाध्यक्ष, सन फार्मास्युटिकल गुजरात
- प्रो. आलोक धवन, निदेशक, सीबीएमआर लखनऊ

बीएड प्रवेश परीक्षा आज आयोजित

LUCKNOW (5 July): दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2022 बुधवार को आयोजित की जाएगी. परीक्षा दो पालियों में होंगी. लखनऊ विश्वविद्यालय ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है. विश्वविद्यालय से सम्बद्ध पांच जिलों के 123 कालेजों को प्रवेश परीक्षा का केंद्र बनाया गया है. लखनऊ में यह परीक्षा 61 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी. अभ्यर्थियों को परीक्षा के एक घंटे पहले प्रवेश दिया जाएगा. वहीं, परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट के बाद गेट बंद कर दिया जाएगा. इसलिए सभी अभ्यर्थियों को समय से पहुंचना होगा. बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई और लखीमपुर खीरी के 123 केंद्रों पर 55,763 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं. लखनऊ में इनकी संख्या 29,646 है. जिला समन्वयक नोडल लखनऊ विश्वविद्यालय प्रोफेसर आरबी सिंह मून ने बताया कि अभ्यर्थियों की बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज होगी. परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी के पास प्रवेश पत्र के साथ, सैनिटाइजर व दस्ताने होना अनिवार्य होगा.

नैक की तैयारियां देखने पहुंची टीम

लखनऊ यूनिवर्सिटी में मॉक विजिट को पहुंची टीम

LUCKNOW (5 July) : लखनऊ विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन को लेकर मंगलवार को माक विजिट के लिए विशेषज्ञों की टीम ने द्वितीय परिसर के विभागों के साथ-साथ पुराने परिसर के छात्रावास, कार्यालय आदि का भ्रमण किया. इस दौरान उन्होंने अभिलेखों के प्रजेंटेशन, सुविधाएं सहित तमाम चीजों को देखा. उसे और बेहतर करने के सुझाव भी दिए. दूसरे दिन विशेषज्ञों की टीम में शामिल नैक के पूर्व निदेशक प्रो. एएन राय, भारत के नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज के फेलो रहे प्रो. रमेश शर्मा, एजुकेशन मैनेजमेंट, एजुकेशन पालिसी और एजुकेशन टेक्नोलाजी की विशेषज्ञ एवं नैक से कई वर्षों से जुड़ी डा. रमा कोंडापल्ली सुबह 10 बजे द्वितीय परिसर पहुंचीं. यहां प्लेसमेंट सेल, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इंस्टीट्यूट आफ टूरिज्म स्टडीज विभाग आदि की तैयारियां देखीं.

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय : स्नातक चौथे, छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 से

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) ने स्नातक बीए, बीएससी व बीकाम चौथे और छठे सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम मंगलवार शाम जारी कर दिया। परीक्षाएं 18 जुलाई से 23 अगस्त तक कराई जाएंगी। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं। लवि से पांच जिले के करीब 533 महाविद्यालय जुड़े हैं, लेकिन स्नातक चौथे और छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं सिर्फ लखनऊ के कालेजों के विद्यार्थियों की होनी हैं। जल्द ही केंद्रों का निर्धारण भी किया जाएगा।

परीक्षा फार्म भरने का अब 14 तक मौका : लवि ने सम सेमेस्टर-जून 2022 की परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को फार्म भरने का एक और मौका दे दिया है। बीए, बीएससी, बीकाम (दूसरे, चौथे, छठे), पीजी, प्रबंधकीय पीजी, पीजी डिप्लोमा, बीएससी, एमएससी कृषि, बीएड दूसरे सेमेस्टर, एमएड, बीपीएड, एमपीएड (दूसरे, चौथे), ललित कला संकाय, अन्य सेमेस्टर पाठ्यक्रम, विधि तीन वर्षीय एवं आनर्स व आइएमएस दूसरे सेमेस्टर के नियमित, बैक पेपर व इक्जेम्टेड के विद्यार्थी 14 जुलाई तक आनलाइन परीक्षा फार्म भर सकते हैं। लवि के नियमित विद्यार्थियों को फार्म भरकर कार्यालय में जमा करना होगा। 16 जुलाई तक सभी फार्मों की सूची परीक्षा विभाग में जमा की जाएगी। कालेजों को भी अपने विद्यार्थियों के परीक्षा फार्म इसी तिथि तक लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग में जमा करना होगा।

ये है परीक्षा कार्यक्रम

- बीए चौथे सेमेस्टर-18 जुलाई से आठ अगस्त तक-दोपहर दो से 3.30 बजे
- बीए छठे सेमेस्टर-18 जुलाई से 23 अगस्त तक। सुबह नौ से 10.30 बजे
- बीकाम चौथे सेमेस्टर 19 जुलाई से चार अगस्त-दोपहर दो से 3.30 बजे
- बीकाम छठे सेमेस्टर-18 जुलाई से तीन अगस्त तक-सुबह नौ से 10.30 बजे
- बीएससी चौथे सेमेस्टर-18 जुलाई से 10 अगस्त-दोपहर दो से 3.30 बजे
- बीएससी छठे सेमेस्टर-19 जुलाई से 17 अगस्त-सुबह नौ से 10.30 बजे

नैक मूल्यांकन की तैयारियां देखने पहुंची टीम

जासं, लखनऊ : लवि में नैक मूल्यांकन को लेकर मंगलवार को माक विजिट के लिए विशेषज्ञों की टीम ने द्वितीय परिसर के विभागों के साथ-साथ पुराने परिसर के छात्रावास, कार्यालय आदि का भ्रमण किया। इस दौरान अभिलेखों के प्रजेंटेशन, सुविधाएं सहित तमाम चीजों को देखा। उसे और बेहतर करने के सुझाव भी दिए।

विशेषज्ञों की टीम में शामिल नैक के पूर्व निदेशक प्रो. एएन राय, भारत के नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज के फेलो रहे प्रो. रमेश शर्मा, एजुकेशन मैनेजमेंट, एजुकेशन पालिसी और एजुकेशन टेक्नोलाजी की विशेषज्ञ एवं नैक से कई वर्षों से जुड़ीं डा. रमा कोंडापल्ली सुबह 10 बजे द्वितीय परिसर पहुंचीं। यहां प्लेसमेंट सेल, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इंस्टीट्यूट आफ टूरिज्म स्टडीज, इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज, विधि संकाय व योग विभाग की तैयारियां देखीं। उसे बेहतर करने के सुझाव अधिकारियों के साथ साझा किए। दोपहर में प्रथम परिसर के महमूदाबाद छात्रावास, कैलाश छात्रावास व आरोग्य भवन (डिस्पेंसरी) का भी निरीक्षण किया। विशेषज्ञों की टीम के साथ विश्वविद्यालय की डीन स्टूडेंट वेलफेयर, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, एवं फाइनेंस आफिसर भी मौजूद रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित लावण्या हास्टल में मंगलवार को माक विजिट के लिए विशेषज्ञों की टीम ने देखी नैक मूल्यांकन की तैयारियां ● सौजन्य : लवि

नई ड्रग डिलीवरी सिस्टम से जुड़ी तकनीक सीखेंगे लवि के विद्यार्थी

- **इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में एडवाइजरी बोर्ड स्वीकृत**
- **राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के दस विशेषज्ञ को किया शामिल**

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अब उच्च स्तरीय वैज्ञानिक शिक्षा व शोध की जानकारी मिल सकेगी। उन्हें नई ड्रग डिलीवरी सिस्टम से जुड़ी तकनीक सीखने, नैनो टेक्नोलाजी विधि से बनने वाली दवाओं के बारे में जानने का भी मौका मिलेगा। इसके लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को इंस्टीट्यूट के साइंटिफिक एडवाइजरी बोर्ड के गठन को मंजूरी दे दी है। इसमें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय उच्च स्तर के 10 प्रतिष्ठित शिक्षाविद, शोधकर्ता व फार्मास्यूटिकल उद्योगपति शामिल हैं।

संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बोर्ड में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) - सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीडीआरआइ) के पूर्व निदेशक डा. नित्यानंद, डा. वीपी कम्बोज, गौर यूनिवर्सिटी सागर इंडिया के पूर्व हेड प्रो. नरेंद्र कुमार जैन, बायोटेक्नोलाजी पार्क लखनऊ के फाउंडर प्रो. पीके सेठ, बायोटेक्नोलाजी पार्क लखनऊ के सीईओ एवं प्रतिष्ठित विज्ञानी डा. अजय कुमार सिंह, पूर्व ड्रग कंट्रोलर गवर्नमेंट आफ इंडिया डा. जीएन सिंह, दी मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी यूके के लेस्टर स्कूल आफ फार्मेसी के हेड प्रो. एंटोनी डी इमैनुएल, जिनोवा बायोफार्मास्यूटिकल इंडिया के सीईओ डा. संजय सिंह, आरएनडी फार्मास्यूटिकल इंडिया लिमिटेड के डा. अजय खोपड़े और सेंटर आफ बायो मेडिकल रिसर्च (सीबीएमआर)लखनऊ के निदेशक डा. अलोक धवन शामिल हैं। डा. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस एडवाइजरी बोर्ड के गठन का फायदा शिक्षकों व विद्यार्थियों को होगा।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

कड़ी सुरक्षा के बीच बीएड प्रवेश परीक्षा आज

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के तत्वावधान में राजधानी सहित सीतापुर, रायबरेली, लखीमपुर तथा हरदोई में